सूरह क़द्र

बिस्मिल्लाह-हिर्रहमानिर्रहीम

शुरू करता हूं अल्लाह के नाम से जो निहायत रेहम करने वाला है।

- **इन्ना अनज़ल नाहु फ़ी लैयलतिल क़द्र**

हम नें इस (क़ुरआन) को शब्बे क़दर में नाज़िल करना शुरू किया।

- **वमा अदराका मा लैयलतुल क़द्र**

और तम्हें क्या मालूम शब्बे क़दर क्या है।

- **लैयलतुल क़दरी खैरुम मिन अल्फि शह्र**

शब्बे क़दर हज़ार महीनों से बेहतर है।

- **तनज़्ज़ालुल मलाइकतु वररूहु फ़ीहा बिइज़्नि रब्बिहिम मन कुल्लि अम्र**

DeenHindi.com

इस में रुहुल अमीन (जिबरईल अलैहिस सलाम) अपने परवरदिगार के हुकुम से हर काम के लिए उतरे हैं।

- **सलामुन हिय हत्ता मत लइल फज्र**

ये पूरी रात सलामती वाली है, जो सुबह फज्र तक रहती है।

DeeninHindi.com